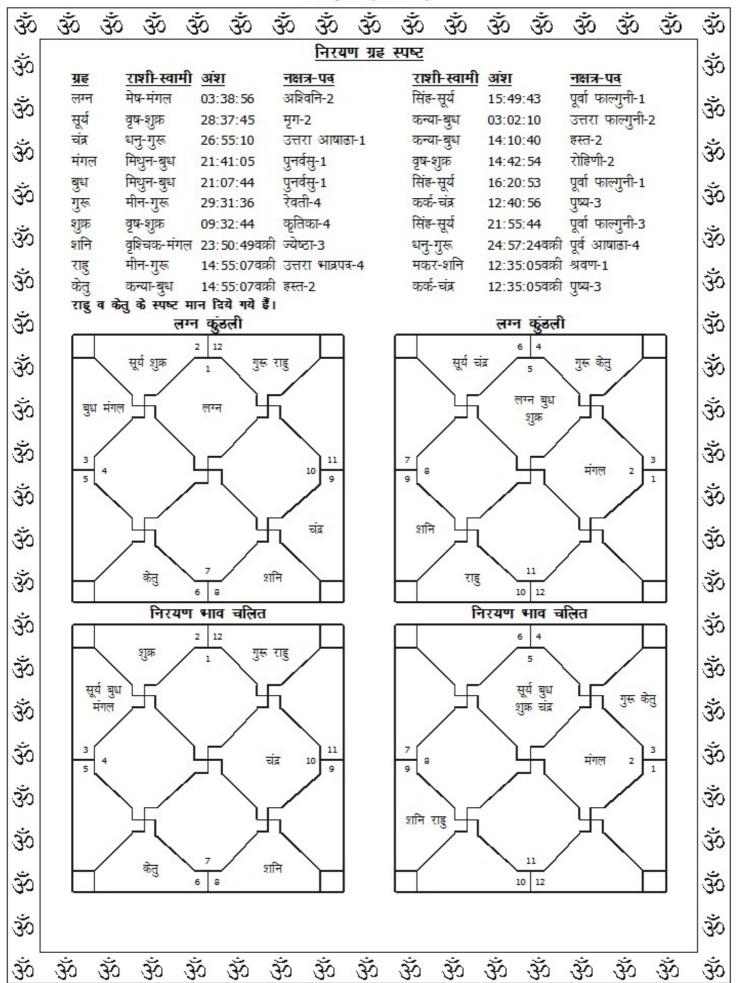
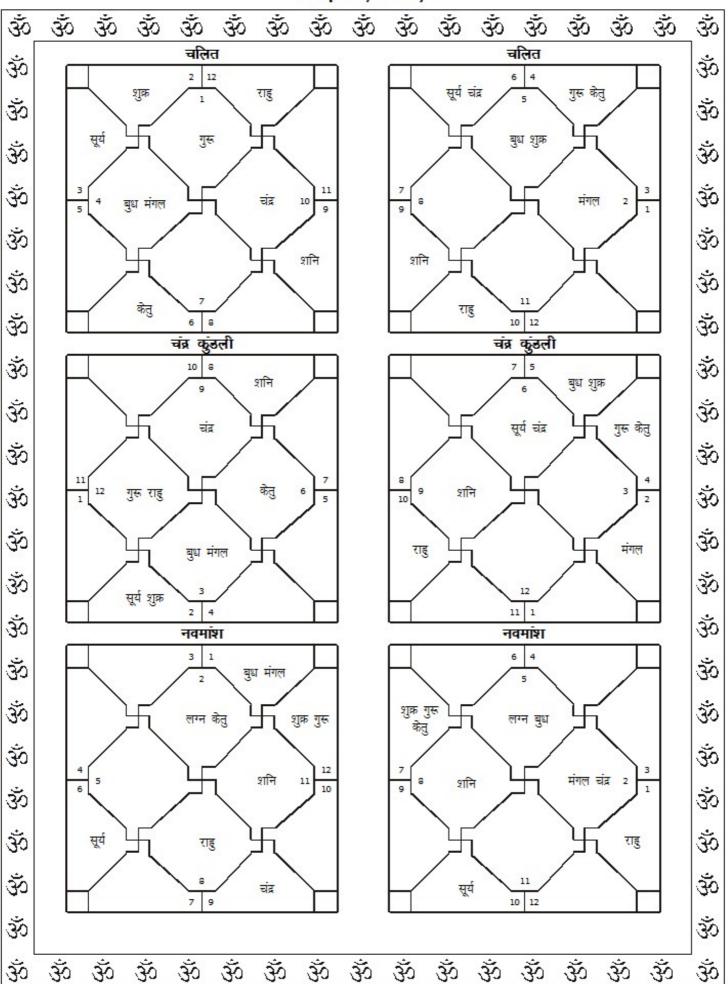
					ak /								
30	कं कं कं	ॐ ॐ		Š	₹ō	ॐ	ॐ	ૐ	ॐ	ૐ	ૐ	ૐ	ૐ
Š	नाम		eepak					Rosly					ઝું
20	लिंग		ভূম		,			स्त्री	,				30
يت	जन्म तिथि			३७ (रविव					1990 (0)		يت
ॐ	जन्म समय (मानक)		2:15:00 ndia	(52:9:5	2 घट <u>ी</u>)			05:00: India	00 (56	:53:1	घटी)		30
بث	वेश /विभाग			ır (Punj	ah)				(Punjal	2)			بثر
ॐ	जन्म स्थान		35		ub)			17.0	70 70)			30
ث	<u> এঞ্চাছা</u>		31:32 उ	1				030:49					ت ا
Š	रेखांश		75:57 पू					075:13	-1				Š
ات	मानक रेखांश स्थानिक समय संस्का		32:30 पू					082:30	-1				ي ا
30	स्थानक समय संस्का युद्ध ∕ग्रीष्म समय संस्		0:26:12 0:00:00					-00:29					30
	युद्ध/ग्राज्य समय सर स्थानिक जन्म समय		1:48:48					00:00:					١.
ॐ	साम्पातिक काल		9:15:17					04:30.					30
50000	सान्यातक काल सूर्योदय/सूर्य्यस्त (स्थ			/18:59:0	14				40 /17:	54-17			190
30	सूर्योवय/सूर्य्यस्त (मा	ਜਨ) 0		/19:25::					48/18:				30
	अयन/गोल/ऋतु	. ज	तर ⁄ उत्तर						न0710. वक्षिण/श				
30	तिथि /पक्ष /माह		तिया ⁄ कृष						/शुक्ल /				30
3	शालिवाहन शकू सम्व		912					1912	9				"
35	विक्रम सम्वत्		047					2047					30
22	योग		ह्मा स्म					शुक्ल					20
30	अयनांश (एन.सी.लार्		3:40:39					23:43:	24				33
33	सूर्य राशि (पाश्चात्य)		थुन					कन्या					120
ૐ	लग्न-लग्नाधिपति		ष-मंगल					सिंह-सूर	र्व				35
30	राशि-राशि स्वामी	ध	नु-गुरू					कन्या-ड्					30
يث	नक्षत्र-चरण		त्तरा आष	ਗਿ-1				हस्त-2	,				ن
Š	नक्षत्रस्वामी	सू	र्य					चन्त्र					30
ت	राशी पाया /नक्षत्र पा	या च	ांबी ∕ताम्र					चांबी/च	गांवी				ت
35	अवकह	हुंग चक्र						घात च	雰				30
ات	राशी-राशी स्वा.	धनु-गुरू	क	न्या-बुध		मास		श्रावण		भाव	पव		ا ت
ૐ	नक्षत्र-चरण	उत्तरा आषा		स्त-2		तिथि	Г	3.8.13	(जया)	5.1	0.15 (पूर्णी)	35
ات	नक्षत्र स्वा.	सूर्य	च	न्त्र		विन		शुक्रवार		शनि	वार	-,	ا ت
ॐ	योग	ब्रह्मा	श्र	क्ल		नक्षत्र		भरणी		श्रव	ण		30
	करण	वनिज	ব	व		योग		वज्र		शुक्त कौल	ल		
350	गण	मनुष्य	वेत			करण		तैतिल		कौल	व		35
	योनि	नकुल		हीष		प्रहर		1		1			
30	नाड़ी	अन्त्य		ाद्य		वर्ग		मार्जार		मेष			30
	वर्ण	क्षत्रिय		श्य		लग्न		धनु		मीन			
ॐ	वश्य	मानव/चतुष		ानव -		सूर्य		तुला मीन		मेष			30
90	वर्ग	उवर	मे			चन्च				मिथु	П		9000
ॐ	युंज इसक	अन्त्य अग्नि		ध्य ति		मंगल	d	वृश्चिक चित्र		वृष मीन			35
	स्तक अक्षर	भे	খ	मि		बुध		सिंह धन		TIPT TIPT	न		
30	पाया(राशि - नक्षत्र)	न चांबी/ताम्र		iवी /चांबी		गुरु शक		धनु कस्थ		मिथु कर्क			30
33	अयन	उत्तर		क्षिण क्षेण		शुक्र शनि		कुम्भ कन्या		मीन			33
30	गोल	उत्तर		त्तर		राहु		कुम्भ		सिंह			30
22	ऋतू	ग्रीष्म		रव				9					20
ૐ	ॐ ॐ ॐ	35 35	ઉંઇ	30	350	350	350	Š	350	ॐ	35	350	ુંજી
20	20 20 20	20 20	22	20	22	22	22	27	27	22	23	27	20





ૐ	कें	ૐ
₹ö		Š
Š	<u>मेलापक विचार</u> वर्ण <i>वर्ण पति पत्नी के मध्य अहम् भाव का परिचायक है।</i>	30
š 5	1 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण बर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य तालमेल अच्छा रहेगा। पत्नी पति के प्रति आवर भाव रखेगी तथा पति पत्नी के प्रति प्रेम भाव रखेगा।	30
Š	वश्य वश्य आकर्षण एवं लगाव का सूचक है।	Š
30	2 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण बर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य विचारों के प्रति अधिक आवर बेने एवं अच्छे आपसी आकर्षण की संभावना है।	30
Š	तारा/दिन <i>तारा/विन स्वास्थ्य का सूचक है।</i> 3 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण बर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य स्वास्थ्य संबन्धी परेशानी	30
₹ •	की संभावना बहुत कम है।	30
₹	योनि <i>योनि संतुष्टि को वर्शाता है।</i> 2 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण वर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य कुछ हव तक सामंजस्य	350
30	एवं संतुष्टता रहेगी। विवाब रहित जीवन यापन करेंगे।	30
₹ 30 30	ग्रह मैत्री	380
₹ 30	गण <i>गण आपसी मिजाज का सूचक है।</i>	30
₹ 	5 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण वर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य आपसी मिजाज बहुत अच्छा मिलने की संभावना है।	380
35	भकुट परिवार, बच्चे एवं पारिवारिक मेलजोल का सूचक है।	380
350 350	7 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण वर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं भाग्यशाली संतान से सुख की प्राप्ति होगी।	36. 36
350 350	नाड़ी <i>नाड़ी भौतिक स्वास्थ्य का सूचक है।</i> 8 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण बर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य शारीरिक एवं भौतिक	36.
30 30	स्वास्थ्य की बृष्टि से सर्वोत्तम जीवन यापन करेंगे।	St. St.
30 30		333
30 30		33
350 350		38.
350 350		38. 8
350 350	* * * * * * * * * * * * * * * * * * *	3.38

ŠŎ_	ऊँ ऊँ उँ	हैं कें कें	कें कें कें	कें कें कें	ं ॐ ॐ ॐ	ું	
Ŏ							
oğ.	ज्योतिषीय मेलापक केवल परम्परा का निर्वाह नहीं है अपितु भावी दम्पत्ति के स्वभाव, गुण, प्रेम और आचार-व्यवहार के सम्बंध के विषय में जानकारी प्राप्त करना है। जब तक						
Ř	समान आचार व्यवहार वाले वर-कन्या नहीं होते तब तक दाम्पत्यजीवन सुखमय नहीं हो सकता। क्योंकि विवाह पूर्व ही अपने भावी जीवन साधी के स्वभाव आदि के विषय में जानकारी प्राप्त करना अत्यंत कठिन है। अतः ज्योतिष की यह वैज्ञानिक पद्धति एक						
à	वरदान समान सिद्ध हो सकती है।						
اير	3.3	ਹਟਰਾ	मेलापक सारिणी	ma via	अधिकतम अंक	13.	
व्ह	क्ट	लड़का	तड़की	प्राप्त अंक	आधकतम अक	3	
Ò	वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1	3	
o d	वश्य	मानव	मानव	2	2	3.	
k)	तारा/बिन	मैत्र	मैत्र	3	3	12	
Ř	योनि	नकुल	महीष	2	4	3	
Õ	ग्रह मैत्री	गुरू	बुध	0.5	5	3	
Ŏ.	गण	मनुष्य	बेव	5	6	3	
	भकुट	धनु	कन्या	7	7	٠	
Ò	नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8	3	
à	कुल गुण			28.5	36	Ž	
ã			मेलापक सारिणी विच	<u>गर</u>		3	
Ř	कूट मिलान का स्कोर साधारण से कहीं ज्यावा है। वैवाहिक जीवन सुखमय होगा व दोनों पक्ष अपने जीवनसाधी के विचारों का आदर करेंगे और सफलता आप्त करने में सहयोग आदान						
Ř	अपने जावनसाथा के विचारा का आंबर करने आर सफलता आप्ति करने में सहयान आंबान करेंगे। सामान्यतया 18 व अधिक गुणों के मिलान को अच्छा माना जाता है।						
οį	मांगलिक विचार						
õ	लड़का व लड़की बोनों ही मांगलिक बोष से मुक्त हैं, अतः मांगलिक बोष के कारण विवाह में कोई बाधा नहीं है।						
Ř		70000000				133	
Ò						Š	
Š						3	
Ŏ,						3	